NOTRE DAME ACADEMY NTPC BARH

Online classes

Subject – Music

बोल एवं मुद्राएं

जैसा कि हम जानते हैं कि विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र हैं और सभी वाद्य यंत्रों से अलग-अलग प्रकार के बोल निकलते हैं। घन वाद्य से और अनवद्ध वाद्य से एक ही प्रकार के स्वर निकलते हैं जैसे धा ते टे किट दिन दिन ना ना किट आदि।

तत् एवं सुषिर वाद्य से सातों स्वर निकलते हैं जैसे सा रे ग म प ध नि और पांच विकृत स्वर भी निकलते हैं जैसे रे गा मा धा नी।

मुद्राएं :- आपने देखा होगा कि किसी भी प्रकार के मंच पर किसी भी वाद्य यंत्र को बजाने वाले कलाकार अलग-अलग मुद्राओं में बैठते हैं और उन्हें अलग- अलग तरह से बजाते हैं। अलग-अलग कलाकार शास्त्रीय कलाकार अलग लोक संगीत के कलाकार अलग तथा विभिन्न वाद्यों को बजाने वाले वादक अलग-अलग मुद्राओं में बैठते हैं।

दिए गए पाठ की विस्तृत जानकारी के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जाएं और वीडियो को ध्यान से देखें

https://youtu.be/7Da3WdOrY80 Satya prakash 27-06-2020